

परमेश्वर रौ दास मुसा



Bangani

परमेश्वर रौ दास मुसा

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



[Needs Copyright](#)



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

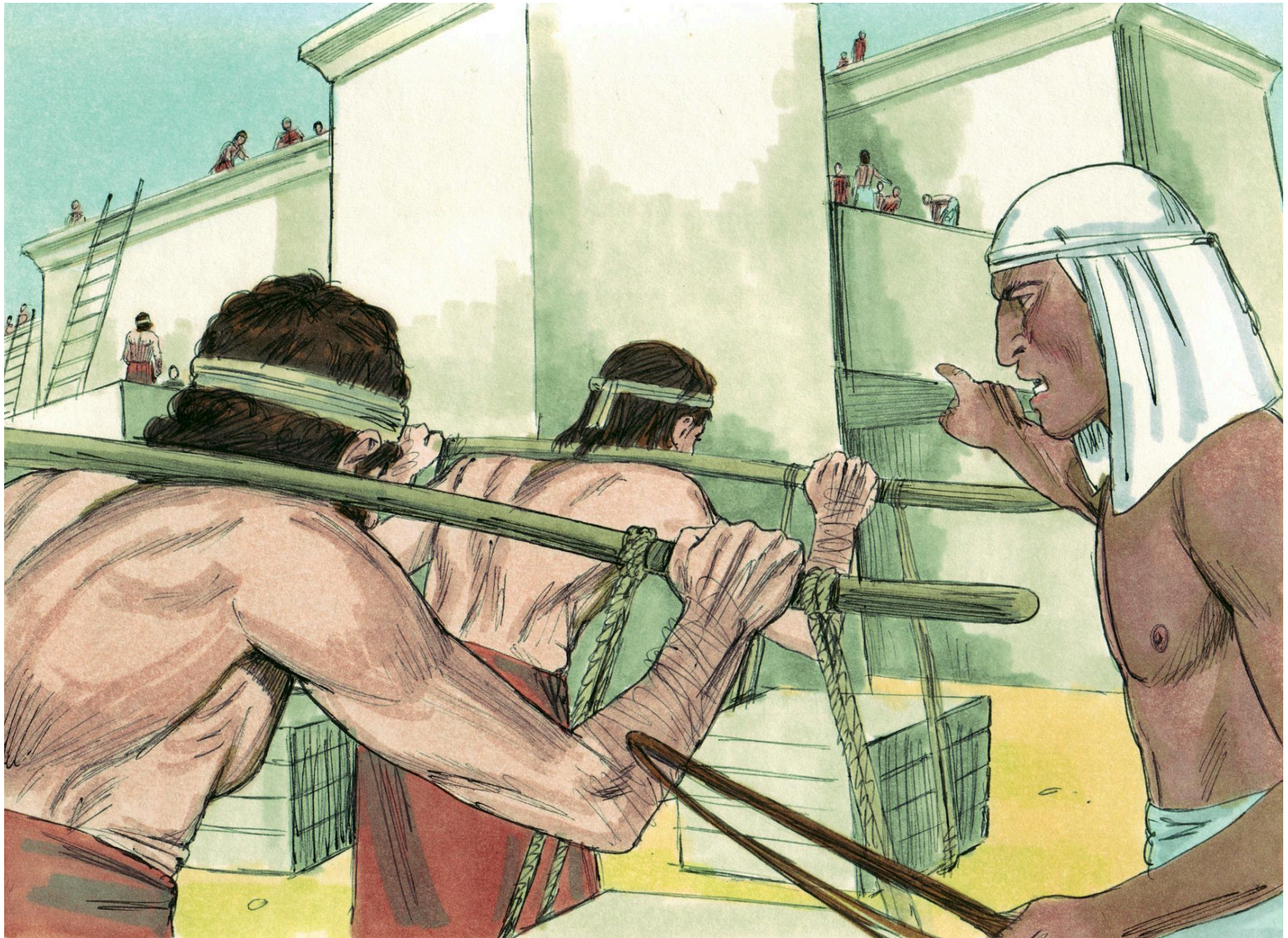
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर का दास मूसा के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



ऐ सेजै बौक्ते रि बुशै ज़ेत्रा याकूब रौ पुरौ पौरिबार
मिस्र देश दि आइयौ रौन्दै लागौ। परमेश्वरेइ तिउँकै
आशिश देणी औज़ि तिउँरी बौरी संतान पैदा ऊइ,
तिउँ खि इस्राइली बोलौ, तिउँ लोगु रि गिनती
देखियौ मिस्री लोग बौरी डौरदै लागै। एज़ी बौज़ै
कौइ मिस्र रौ राज़ाइ सै गुलाम चाणै।



फिरोन राज़ा इस्राइली लोगु कौइ बौरी काम कौरा
थौ। औज़ि तिउँकौइ बौड़ी बौड़ी कोठियै बि
चौणाइ, इस्राइली लोगु रि बौड़दि संतानु देखियौ
राज़ाइ आदेश देणौ। इस्राएइलिउँ रै जेती बि
माऊँ तिउँ नील नौइ दि पाइ दैऔ। औज़ि माइउँ
ज़िउँदिया थौइयौ।



सेजै बौक्ते दि एक इस्राइली छेउड़ि रौ एक माऊं
उवौ सेउ माऊं फिरोन राज़ा रै डौरे रि बौजै कौइ
तेसरै आमा पापाइ चोरी थौ। जौ सै आपड़ौ माऊंइ
ज़ादा दूस जौउं चोरी ना सौकै, तै तिउं आपड़ौ माऊं
एक टोकरी दि थौइयौ नील नौइ दि बौआऔ।



एशौ कौरदु बैरै माऊं रि बौइण तेस देखदि रौइ थी
लागी। सेजै बौक्ते दि फिरोन रि बेटी तेत्कै नाइंदि
आइ। तियै नौइ दि सै टोकरी देखी। तिन्दै तियै एक
सुन्दर माऊं देखौ। तियै सेउ माऊं आपड़ौ माऊं
चाणौ। तियै एक इस्राइली छेउड़ जुण्जी तेसी रि
आमा थी। सै तेस माऊं कौइ दूद पियाणेखि
आपकाइ थौइ।



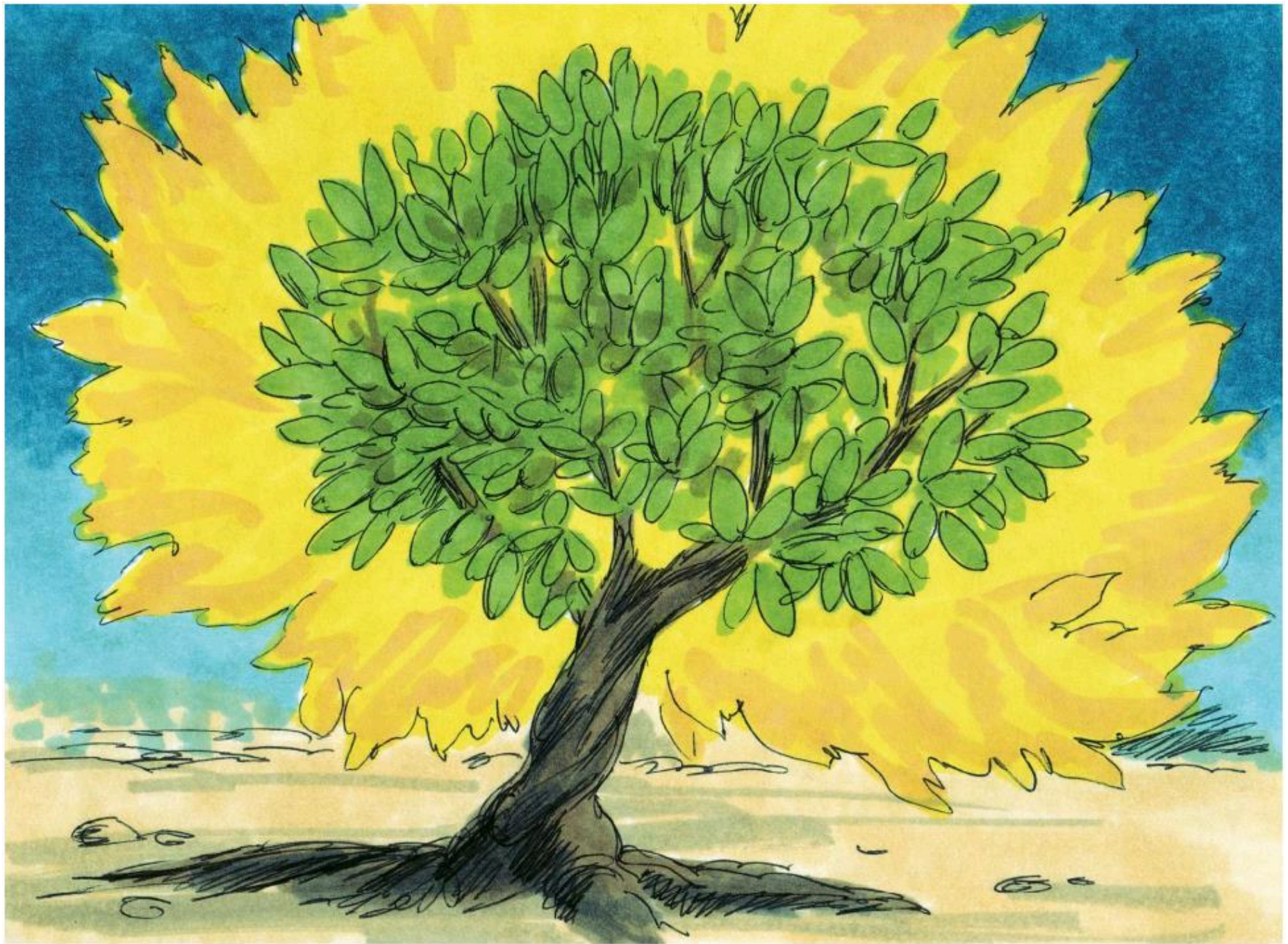
तैबै फिरोन रि बेटियेइ तेसरौ नौऊँ मुसा थौ। जौ
मुसा जुवान उवौ तै मुसाइ देखौ। एक मिस्री माणूछ
इस्राइली माणछेइ रौ थौ पिटदै लागी। तैबै मुसाइ
ओरु पोरु देखियौ सेउ मिस्री माणूछ ज़ांगी देणौ।
औज़ि ज़ांगियौ दाबी देणौ। पर सेउ एज़ौ काम
कौरदु बैरै कासिउँ देखी गो थौ।



जौ फिरोन राज़ाइ ऐ बुशै शुणी, तै तिणी मुसा ज़ांगणे
रि कोशिश की, तैबै मुसा मिस्र देश कौइ दूजौ देश
खि डैऔ। मुसाइ सेज़ौ देश दि एक लौड़की देखि
औज़ि तीं कौइ तिणी शादी की, तै मुसा आपड़ै
शेऊरै रै गौरे दि रौन्दै लागौ। औज़ि तेसरी बेड़
बाकरिऊँ चौरान्दै लागौ।



एक दूस मुसा बेड़ बाकरिऊं डान्डै रै नौज़ीक रौ थौ
चौरान्दै लागी। तैबै मुसाइ देखौ कि ज़ाड़ी दि आग
तै ज़ौळियौन्दि पर ज़ाड़ी खतम ना रौइ उन्दी लागी।
तैबै मुसा सेज़ी ज़ागा देखदै डैऔ। कि सै ज़ाड़ी
केलाइ ना राइ ज़ौळदि लागी। तैबै परमेश्वरेइ
औटाइयौ बोलौ ए मुसा आपड़ै बाँगणौउं कौइ जुता
पोरु गाड़ ज़ेत्कै तू खौड़ौ सै पबित्र ज़ागा।



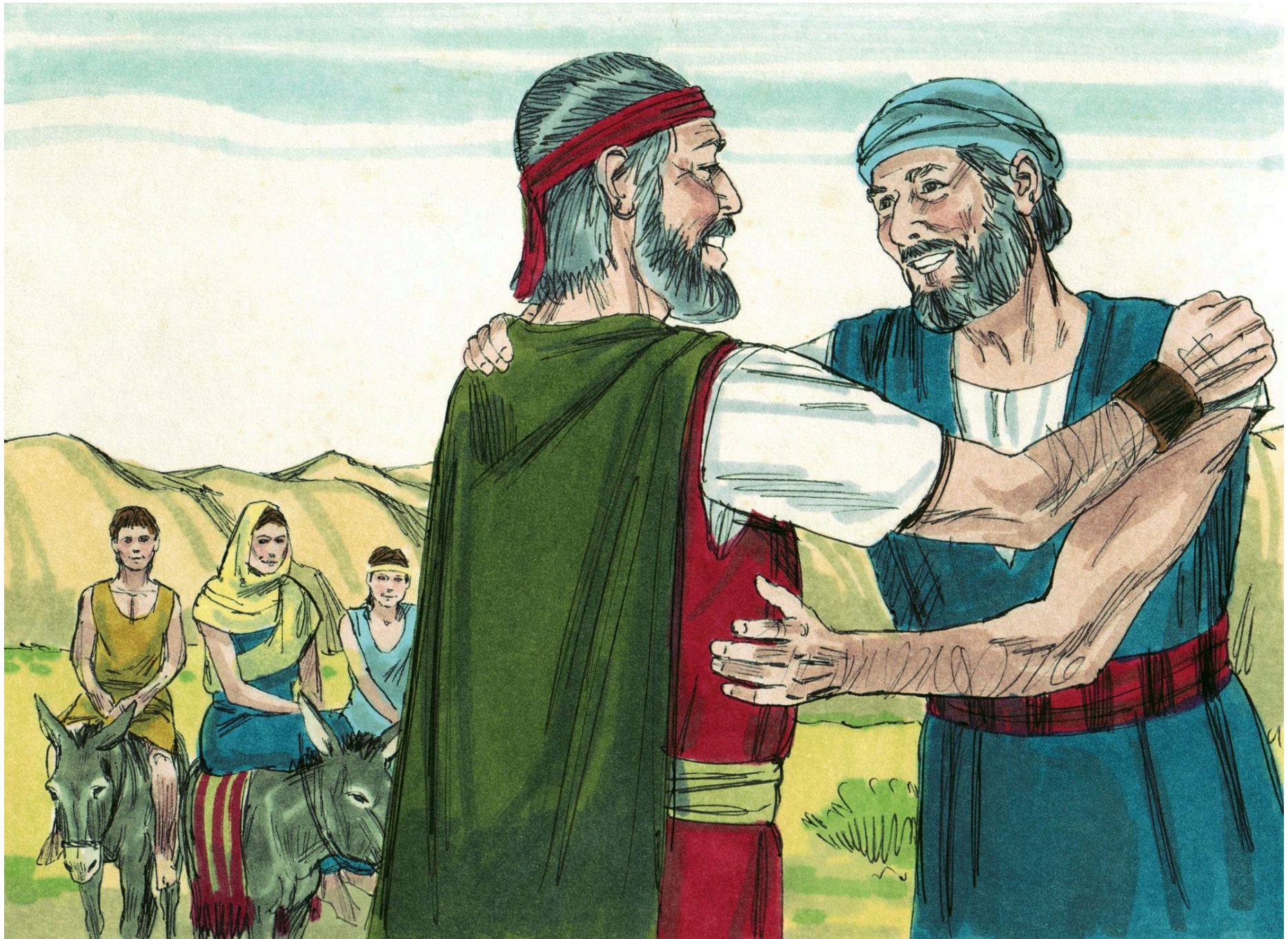
तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ, आउं तेरौ पापा रौ
परमेश्वर, मुइं आपड़ी पौरजा इस्राइल रौ दुख देखौ।
एजी बौजै कौइ आउं ताउं फिरोन राजा काइ छाड़ू
कि तू मेरी इस्राइली पौरजाइ मिस्र कौइ गाड़।
आउं तिउं कनान देश दि छाड़ू। जेत्कै दूद औज़ि
मौ रि दारै बौयै। जुणजौ वादौ मुइं तेरै बुजूर्गु रै साथै
कियौ थौ



तैबै मुसाइ परमेश्वर आरि बोलौ जौ सै लोग मुकौइ
पुछै लै, कि तू कुणी छाड़ौ। तै आउँ तिउँ आरि का
बोलु, तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ “आउँ जुणजौ
औस्ति सेउ औस्ति” तू तिउँ आरि बोलै कि जेसरौ
नौऊँ “आउँ जुणजौ औस्ति सेउ औस्ति” तिणी आउँ
छाड़ौन्दौ, तैबै मुसाइ बोलौ, कि सै लोग मेरौ
बिश्वास ना करै लै ना मेरी शुणै लै।



तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ, एऊ तेरै आथे दि
कासै, मुसाइ बोलौ, डिंगौ तैबै परमेश्वरेइ बोलौ, कि
एस दौनी माटै माइं थौऊ। तैबै मुसाइ डिंगौ दौनी
माटै माइ थौ। तैबै माटै माइं थौन्दुइ डिंगौ साप
बौणौ। तैबै परमेश्वरेइ बोलौ, आउं तेरै बुजूर्गु रौ
परमेश्वर, मुइं ताउंके दर्शन देणौ। एज़ी बुशै तिउं
आरि बोली दै, तै सै ताउंदि बिश्वास कौरै लै।



तैबै मुसाइ परमेश्वर आरि बोलौ, आउं बोलणौ ना
जान्दौ। तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ, तेरौ बाइ
बोलणे दी बौड़िया। आउं तेरी मदद खी हारुनेइ तेरै
साथै छाड़ू, जौ कुछ तुमु कौरणौ औलौ। आउं
तुमकौइ शिकान्दु रौऊ। तेतबासियै मुसा आपड़ै
शेऊरै कौइ मिलियौ मिस्र खि डैऔ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.